अनुक्रम

अ नु क्र म

पृष्ठांक

प्रथम अध्याय **1 से 41**

" दीप्ति खंडेलवाल का रचना संसार "

1.1 दीप्ति खंडेलवाल : व्यक्ति परिचय

1.2 दीप्ति खंडेलवाल : रचना संसार

1.2.1 उपन्यास साहित्य

1.2.1.1 प्रिया

1.2.1.2 कोहरे

1.2.1.3 प्रतिध्वनियाँ

1.2.2 दीप्ति खंडेलवाल का कहानी साहित्य

1.2.2.1 कड़वे सच

1.2.2.2 धूप के अहसास

1.2.2.3 वह तीसरा

1.2.2.4 दो पल की छांह

1.2.2.5 नारी मन

1.2.2.6 औरत और नाते

1.3 दीप्ति खंडेलवाल के कहानियों का परिचयात्मक अध्ययन

1.3.1 कड़वे सच (कहानी संग्रह)

1.3.1.1 क्षितिज

1.3.1.2 शेष – अशेष

1.3.1.3 एक पारो – पुरवैया

1.3.1.4 देह की सीता

1.3.1.5 ये भी कोई गीत है !

1.3.2 वह तीसरा (कहानी संग्रह)

1.3.2.1 जमीन

1.3.2.2 संधि पत्र

1.3.2.3 मोह

1.3.2.4 प्रेत

1.3.2.5 कोई जमीन नहीं

1.3.2.6 कायर

1.3.2.7 भूख

1.3.2.8 नाटक

1.3.2.9 झोंका

1.3.2.10 वह

1.3.3 दो पल की छांह (कहानी संग्रह)

1.3.3.1 एक अद्द औरत

1.3.3.2 चंदा की जोत

1.3.3.3 देहगंध

1.3.3.4 कारण

1.3.4 औरत और नाते (कहानी संग्रह)

1.3.4.1 जिंदगी

1.3.4.2 हीरो

1.3.4.3 औरत

1.3.4.4 कुछ भी तो नहीं

1.3.4.5 प्रेम पत्र

1.3.4.6 नाते

1.3.4.7 अंतराल

1.3.4.8 नई कहानी

1.3.4.9 यशोधरा

1.3.4.10 पथ निर्देश

1.3.4.11 अकिंचन

1.3.4.12 दुल्हन

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय **42 से 63**

2. दांपत्य जीवन : परिभाषा एवं स्वरूप

2.1 विवाह : परिभाषा, स्वरूप

2.1.1 विवाह की परिभाषाएँ

2.1.2 विवाह के प्रकार

2.1.2.1 ब्राह्म विवाह

2.1.2.2 दैव विवाह

2.1.2.3 आर्ष विवाह

2.1.2.4 प्राजापत्य विवाह

2.1.2.5 आसूर विवाह

2.1.2.6 गांधर्व विवाह

2.1.2.7 राक्षस विवाह

2.1.2.8 पैशाच विवाह

2.1.2.9 विवाह पति–पत्नी की संख्या पर आधारित

2.1.2.10 पूर्व संबंधों पर आधारित विवाह

2.1.2.11 साथी प्राप्त करने की पद्धति

2.1.2.12 स्त्री की प्राप्त स्थिति पर आधारित

2.1.2.13 स्त्री – पुरुष की आयु पर आधारित

2.2 दांपत्य जीवन : परिभाषा, स्वरूप

2.2.1 दांपत्य जीवन की परिभाषा, अर्थ

2.2.2 जीवन : अर्थ, परिभाषा

2.2.3 दांपत्य जीवन का भारतीय रूप

2.2.4 दांपत्य जीवन में परिवर्तन

2.2.4.1 परिवर्तन अर्थ

2.2.4.2 दांपत्य जीवन में परिवर्तन

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय **64 से 110**

" दीप्ति खंडेलवाल की कहानियों में चित्रित दांपत्य जीवन "

3.1 सफल दांपत्य जीवन

3.1.1 समझदारी

3.1.2 पति–पत्नी में पारस्पारिक सम्मान

3.1.3 पति–पत्नी में साहचर्य की भावना

3.1.4 पति–पत्नी का अटूट स्नेह

3.1.5 दांपत्य जीवन में सेवा भाव

3.1.6 पारस्परिक निष्ठा

3.1.7 पति–पत्नी का श्रद्धामय प्रेम

3.1.8 दांपत्य जीवन में शारीरिक एवं मानसिक एकरूपता

3.1.9 आर्थिक संपन्नता

3.1.10 पति–पत्नी का विनोद भाव

3.1.11 पत्नी की पतिपरायणता

3.1.12 पति–पत्नी का आत्मसमर्पण

3.2 असफल दांपत्य जीवन

3.1.1 पति–पत्नी का संयुक्त परिवार में घुटन से युक्त दांपत्य जीवन

3.1.2 दांपत्य जीवन में व्यक्ति स्वातंत्र्य की उपेक्षा

3.1.3 पति–पत्नी में समझदारी का अभाव

3.1.4 दांपत्य जीवन में वैचारिक असमानता एवं रूचि वैषम्य

3.1.5 दांपत्य जीवन में विषमता : व्यसनाधीनता

3.1.6 दांपत्य जीवन में दरार : रूग्णता के कारण

3.1.7 दांपत्य जीवन में विषमता : यौन असंतुष्टि

3.1.8 दांपत्य जीवन में 'तनाव' की स्थिति

3.1.9 दांपत्य जीवन में दरार : आर्थिक संपन्नता

3.1.10 दांपत्य जीवन में टूटन : स्नेहाभाव

3.1.11 दांपत्य जीवन में अहंभाव

3.1.12 पति–पत्नी में असंतोष की भावना

3.1.13 दांपत्य जीवन में तीसरे व्यक्ति का प्रवेश

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय **111 से 154**

4. " दीप्ति खंडेलवाल की कहानियों में चित्रित दांपत्य जीवन की समस्याएँ "

4.1 समस्या शब्द का अर्थ

4.2 दीप्ति खंडेलवाल की कहानियों में चित्रित दांपत्य जीवन की समस्याएँ

4.2.1 अनमेल विवाह

4.2.2 प्रेम विवाह

4.2.3 पति–पत्नी में असामंजस्य

4.2.4 आर्थिक समस्याएँ

4.2.4.1 दांपत्य जीवन में अर्थाभाव

4.2.4.2 आर्थिक संपन्नता

4.2.4.3 पत्नी का 'आर्थिक स्वातंत्र्य'

4.2.4.4 आर्थिक लालसा

4.2.5 दांपत्य संबंधों में अहंकार

4.2.6 पति की व्यसनाधीनता

4.2.7 भूख

4.2.8 विवाहेतर प्रेम

4.2.8.1 विवाह पूर्व आकर्षण

4.2.8.2 पत्नी का विवाहेतर अन्यत्र आकर्षण

4.2.8.3 पती का विवाहेतर अन्यत्र आकर्षण

4.2.9 यौन–असंतुष्टि

4.2.10 घुटन और अकेलापन

4.2.11 परंपरागत रूढ़ि – संस्कार

निष्कर्ष

उपसंहार **155 से 164**

संदर्भग्रंथ सूची **165 से 168**